14 अन्य दवाओं पर लगा प्रतिबंध

सोहिनी दास
मुंबई, 4 जून

केंद्र ने देश में 14 फिक्स्ड डोज कॉम्बिनेशन (एफडीसी) दवाओं पर प्रतिबंध लगा दिया है। इस संबंध में विशेषज्ञ समिति का मानना है कि इन दवाओं का कोई 'चिकित्सीय औचित्य' नहीं है।

स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा जारी एक अधिसूचना में कहा गया है, 'इसलिए, सार्वजनिक हित को ध्यान में रखकर ड्रग्स ऐंड कॉस्मेटिक्स ऐक्ट, 1940 की धारा 26ए के तहत इन एफडीसी का निर्माण, बिक्री या वितरण प्रतिबंधित करना जरूरी है।' एफडीसी निर्धारित खुराक अनुपात में सिंगल ड्रग फॉर्मूलेशन में दो या ज्यादा सक्रिय इंग्रिडिएंट्स का समावेश है।

केंद्र द्वारा प्रतिबंधित प्रमुख एफडीसी में से एक आमतौर पर इस्तेमाल होने वाली दवा- निमेस्युलाइड एवं पैरासीटामोल कॉम्बिनेशन शामिल है। इसका इस्तेमाल दर्द और बुखार में राहत प्रदान करने के लिए किया जाता है। कुछ खास एंटीबायोटिक एफडीसी को भी प्रतिबंधित किया गया है, उदाहरण के लिए एमॉक्सिलिन और ब्रोमेक्साइन कॉम्बिनेशन शामिल है। इसके अलावा कुछ कोडीन आधारित फॉर्मूलेशन पर भी रोक लगाई गई है। कोडीन का इस्तेमाल नाक बहने, छींक, खांसी, सामान्य जुकाम में किया जाता है।

कुछ समय से एफडीसी पर सख्ती बरती गई है। उदाहरण के लिए, मार्च 2016 में, स्वास्थ्य मंत्रालय ने चंद्रकांत कोकाटे समिति की सिफारिशों के आधार पर 349 एफडीसी को प्रतिबंधित कर दिया था। इन कॉम्बिनेशन से स्वास्थ्य संबंधित समस्या पैदा हो रही थी।

संक्षेप में

भारतपे में वेंडरों पर उठाए थे डेलॉयट ने सवाल

लेखा फर्म डेलॉयट ने भारतपे में गलत तरीके से स्वीकृत वेंडरों और अधिक भुगतान पर सवाल उठाए थे। गौरतलब है कि भारतपे के पूर्व प्रबंध निदेशक एवं सह-संस्थापक अशनीर ग्रोवर पर धोखाधड़ी और धन के गबन का आरोप है। भारतपे की ताजा वार्षिक रिपोर्ट में उसके वैधानिक लेखा परीक्षक डेलॉयट की राय दी गई है। *भाषा*

एमऐंडएम : एसयूवी खंड में आगे रहने का लक्ष्य

महिंद्रा ऐंड महिंद्रा (एमऐंडएम) तेजी से बढ़ रहे स्पोर्ट्स यूटिलिटी व्हीकल (एसयूवी) खंड में अग्रणी स्थिति चालू वित्त वर्ष में भी कायम रखने को प्रतिबद्ध है। समूह के मुख्य वित्त अधिकारी (सीएफओ) मनोज भट ने कहा है कि इस खंड में मांग लगातार मजबूत बनी हुई है। महिंद्रा के एसयूवी खंड में लंबित ऑर्डर 2.92 लाख इकाई के हैं। कंपनी इस वर्ष के अंत तक अपनी उत्पादन क्षमता बढ़ाने की भी योजना बना रही है, क्योंकि यह विभिन्न मॉडलों पर प्रतीक्षा अवधि को कम करना चाहती है। *भाषा*

भारत में यूएसएफडीए निरीक्षण की दर अब भी कम

सोहिनी दास
मुंबई, 4 जून

कोविड-19 से पहले के स्तर से है नीचे

- कुल वैश्विक निरीक्षण में भारतीय स्थलों की हिस्सेदारी औसत केवल नौ प्रतिशत रहा
- जबकि अमेरिका में यह दर 61 प्रतिशत रही

भारतीय फार्मा संयंत्रों की यूएसएफडीए जांच में हालांकि इजाफा हो रहा है, लेकिन विश्लेषकों का कहना है कि कुल वैश्विक निरीक्षण में भारतीय स्थलों की हिस्सेदारी औसत रूप से केवल नौ प्रतिशत ही है। इसके अलावा हालांकि निरीक्षण की यह रफ्तार कैलेंडर वर्ष 2020 से बढ़ रही है, लेकिन यह अब भी कोविड-19 से पहले के स्तरों से काफी नीचे है।

इंडिया रेटिंग्स के एक विश्लेषण के अनुसार भारतीय फार्मा को कैलेंडर वर्ष 2009 से वित्त वर्ष 23 की पहली तिमाही के दौरान कुल वैश्विक निरीक्षणों में से औसत नौ प्रतिशत का सामना करना पड़ा है।

इंडिया रेटिंग्स के एसोसिएट निदेशक कृष्णनाथ मुंडे ने बिजनेस स्टैंडर्ड को बताया कि यूएसएफडीए के आंकड़ों के अनुसार भारतीय फार्मा ने कैलेंडर वर्ष 09 से वित्त वर्ष 23 की पहली तिमाही के दौरान औसतन नौ प्रतिशत निरीक्षण का सामना किया, जबकि अमेरिका में यह दर 61 प्रतिशत थी। ऐसा तब है, जब भारतीय कंपनियां अमेरिकी खाद्य एवं औषधि प्रशासन (यूएसएफडीए) द्वारा मंजूर किए गए संयंत्रों (एपीआई और फॉर्मूलेशन दोनों) की संख्या के मामले में दूसरे स्थान पर हैं, एएनडीए फाइलिंग (फॉर्मूलेशन के लिए जरूरी) की सबसे बड़ी बाजार हिस्सेदारी (लगभग 35 प्रतिशत), डीएमएफ फाइलिंग (एपीआई के लिए जरूरी, बाजार हिस्सेदारी लगभग 50 प्रतिशत) की सबसे बड़ी संख्या तथा अमेरिकी जेनेरिक बाजार में लगभग 40 प्रतिशत मात्रात्मक हिस्सेदारी है। इंड-रा का मानना है कि भारतीय संयंत्रों के लिए यूएसएफडीए की जांच उद्योग का जरूरी हिस्सा है, लेकिन भारत अकेला नहीं है। मुंडे ने कहा कि हालांकि कंपनियों ने अमेरिकी परिचालन कम कर दिया है, लेकिन फिर भी यह भारतीय फार्मा के लिए महत्वपूर्ण दवा बाजार बना हुआ है। शीर्ष फार्मा फर्मों की बिक्री में इसका लगभग एक-तिहाई योगदान रहता है।

भारतीय कंपनियों ने पिछले दो दशकों के दौरान अमेरिका में अपनी मौजूदगी में काफी इजाफा किया है और संपूर्ण कारोबार सादे से जटिल जेनेरिक में तब्दील हो चुका है और अब अमेरिका में विशिष्ट जेनेरिक पर ध्यान केंद्रित कर रहा है।

बढ़ती जांच और कुछ संयंत्रों के निगरानी में आने के बावजूद शीर्ष फार्मा फर्मों की अमेरिकी बिक्री में वास्तव में कुछ साल के दौरान इजाफा हुआ है। उदाहरण के लिए जायडस लाइफसाइंसेज ने वित्त वर्ष 17 में 3,709.2 करोड़ रुपये का अमेरिकी राजस्व (समेकित राजस्व का लगभग 38 प्रतिशत) दर्ज किया, जो वित्त वर्ष 23 में बढ़कर 7,445.1 करोड़ रुपये (कुल राजस्व का 43 प्रतिशत) हो गया।

इस साल की शुरुआत में निर्मल बांग ने एक रिपोर्ट में कहा था कि यूएसएफडीए की नियामक अनिश्चितता फार्मा क्षेत्र के लिए सबसे बड़ी चिंता है, इसके अलावा अमेरिकी जेनेरिक में कीमतों में गिरावट भी है। साथ ही यूएसएफडीए निरीक्षण की दर इस स्तर से बढ़ने की उम्मीद है, क्योंकि निरीक्षणों की संख्या अब भी कोविड से पहले वाले स्तर से कम है। निर्मल बंग ने कहा कि पारंपरिक उत्पादों में कड़ी प्रतिस्पर्धा के बीच यूएसएफडीए निरीक्षणों में यह अपेक्षित वृद्धि विस्तृत जांच के साथ-साथ अधिक जटिल/विशेष दवा फाइलिंग दोनों के कारण है।

फ्यूचर में 7 फर्मों की दिलचस्पी

रिलायंस रिटेल समेत 7 फर्मों ने फ्यूचर सप्लाई चेन के लिए जमा कराया अभिरुचि पत्र

देव चटर्जी
मुंबई, 4 जून

फ्यूचर के लिए होड़

- वन सिटी इन्फ्रास्ट्रक्चर, ग्लोब इकोलॉजिस्टिक्स, शांति जीडी इस्पात ऐंड पावर, केमिऑन्स लॉजिस्टिक्स सॉल्युशंस, तत्काल लोन इंडिया और सुगना मेटल्स ने भी अभिरुचि पत्र जमा कराए
- रिजॉल्यूशन प्रोफेशनल और लेनदारों की हरी झंडी के बाद होगी वित्तीय पेशकश
- फ्यूचर समूह की वेयरहाउसिंग व लॉजिस्टिक्स की जरूरतों का प्रबंधन करती है फ्यूचर सप्लाई चेन

देश की सबसे बड़ी खुदरा कंपनी रिलायंस रिटेल वेंचर्स (आरआरवीएल) और छह अन्य फर्मों ने फ्यूचर समूह की लॉजिस्टिक्स व वेयरहाउसिंग मैनेजमेंट इकाई फ्यूचर सप्लाई चेन (एफएससी) के लिए अभिरुचि पत्र जमा कराए हैं।

वन सिटी इन्फ्रास्ट्रक्चर, ग्लोब इकोलॉजिस्टिक्स, शांति जीडी इस्पात ऐंड पावर, केमिऑन्स लॉजिस्टिक्स सॉल्युशंस, तत्काल लोन इंडिया और सुगना मेटल्स ने भी दिवालिया कंपनी के लिए अभिरुचि पत्र जमा कराए हैं। जब रिजॉल्यूशन प्रोफेशनल और लेनदार उनके अभिरुचि पत्र को मंजूरी दे देंगे तब इन कंपनियों को वित्तीय पेशकश के लिए कहा जाएगा।

फ्यूचर समूह की वेयरहाउसिंग व लॉजिस्टिक्स की जरूरतों का प्रबंधन फ्यूचर सप्लाई चेन करती है और समूह के परिचालन के लिए इस कंपनी को अहम माना जाता है।

अच्छे वक्त में कंपनी का इन्वेंट्री मैनेजमेंट टूल समूह की इकाइयों को अपनी इन्वेंट्री के स्तर की निगरानी, प्रबंधन और नियंत्रण की इजाजत देता था। समूह की प्रमुख इकाइयों मसलन फ्यूचर रिटेल और फ्यूचर लाइफस्टाइल के हर जोन में विभिन्न स्थानों पर गोदाम थे, जो क्षेत्रीय गोदामों यानी वेयरहाउस की जरूरतें पूरी करते थे। फ्यूचर समूह की कंपनियों के दिवालिया होने से पहले इन गोदामों का इस्तेमाल सभी स्थानों पर मौजूद स्टोर की जरूरतें पूरी करने में होता था। रिलायंस रिटेल वेंचर्स (आरआरवीएल) ने अगस्त 2020 में फ्यूर समूह के पूरे कारोबार के अधिग्रहण के लिए 24,713 करोड़ रुपये की पेशकश की थी। हालांकि यह सौदा टूट गया जब अमेरिकी खुदरा दिग्गज एमेजॉन ने उसके खिलाफ कानूनी कदम उठाए। बाद में लेनदारों ने फ्यूचर समूह की सभी कंपनियों के खिलाफ दिवालिया अदालत का रुख किया। रिलायंस रिटेल वेंचर्स (आरआरवीएल) ने समूह की मुख्य कंपनी फ्यूचर रिटेल के अधिग्रहण में भी दिलचस्पी दिखाई थी, लेकिन बाद में किसी तरह की पेशकश से अपना हाथ खींच लिया था। रिलायंस के प्रवक्ता ने इस पर टिप्पणी करने से मना कर दिया।

दिसंबर 2019 में जापान की निप्पॉन एक्सप्रेस की सहायक कंपनी निप्पॉन एक्सप्रेस (दक्षिण एशिया व ओसेनिया) ने एफएसएल की 22 फीसदी हिस्सेदारी प्राथमिक व द्वितीयक इश्यू के जरिए हासिल की थी। इस साझेदारी के जरिये निप्पॉन एक्सप्रेस और एफएससी ने आपसी सिनर्जीज को भुनाने की योजना बनाई थी क्योंकि दोनों के पास पूरक कौशल व सेवाओं की पेशकश थी। साथही बड़े व बढ़ते भारतीय लॉजिस्टिक्स क्षेत्र पर गहरी पकड़ बनानी थी। यह निवेश निप्पॉन एक्सप्रेस व एफएससी को भारतीय बाजार में विस्तार करने और विभिन्न क्षेत्रों की लॉजिस्टिक्स जरूरतें पूरी करने में सक्षम बना देता। इस सौदे से भारतीय कंपनी को निप्पॉन एक्सप्रेस के मल्टीनैशनल क्लाइंटों तक पहुंचने में आसानी होती, जो भारत में नए कारोबारी मौके की तलाश कर रहे हैं।

ईवी स्टार्टअप से निकलेंगी यूनिकॉर्न !

आर्यमन गुप्ता
नई दिल्ली, 4 जून

दिख रही उम्मीद

- रकम जुटाने की कवायद में नरमी के दौर के बावजूद निवेश का एक बड़ा हिस्सा जुटा रहीं ईवी कंपनियां
- फिलहाल ईवी क्षेत्र में 970 घरेलू ईवी स्टार्टअप में ओला ही है एकमात्र यूनिकॉर्न

वर्ष 2070 तक शुद्ध शून्य उत्सर्जन स्तर तक पहुंचने के देश के लक्ष्य के अनुरूप जलवायु प्रौद्योगिकी, विशेष रूप से इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) के क्षेत्र में भारतीय स्टार्टअप कंपनियां स्टार्टअप जगत में रकम जुटाने की कवायद में चल रही नरमी के बावजूद निवेश का बड़ा हिस्सा हासिल करने में कामयाब रही हैं। सरकार के निरंतर समर्थन और गहन बुनियादी ढांचे के मद्देनजर जैसे-जैसे पारिस्थितिकी तंत्र परिपक्व हो रहा है, उद्योग पर नजर रखने वाले और निवेशक उम्मीद कर रहे हैं कि भारत की अगली यूनिकॉर्न कंपनियां ईवी स्टार्टअप से उत्पन्न होंगी।

फिलहाल देश में 970 स्वदेशी ईवी स्टार्टअप काम कर रही हैं। इनमें से केवल एक को ही यूनिकॉर्न का दर्जा हासिल है। ओला इलेक्ट्रिक ने अपनी स्थापना के दो साल बाद जुलाई 2019 में एक अरब डॉलर के मूल्यांकन की सीमा पार कर ली थी।

ईवी स्टार्ट-अप, जिनमें से 18 सूनीकॉर्न समूह में हैं, यूनिकॉर्न वाले दर्जे में शामिल होने की संभावित दावेदारों के रूप में उभरी हैं। इनमें एथर एनर्जी, जिप इलेक्ट्रिक, ब्लसमार्ट, यूलू, लॉग9 मैटेरियल्स, एल्टग्रीन और हीरो इलेक्ट्रिक जैसी कंपनियां शामिल हैं। सूनीकॉर्न रकम का इंतजाम कर चुकी ऐसी स्टार्टअप कंपनियां होती हैं, जिनमें यूनिकॉर्न बनने की क्षमता होती है यानी सून-टु-बी-यूनिकॉर्न। बिजनेस स्टैंडर्ड ने जिन उद्योग विशेषज्ञों और वीसी से बात की, उनमें से कई का मानना है कि उद्योग को जो वृद्धि और निवेश दिख रह है, उसमें इस क्षेत्र से आने वाले अगली यूनिकॉर्न दिखने की पूरी क्षमता है।

शुरुआती चरण वाली वीसी फर्म ओरियोस वेंचर पार्टनर्स के प्रबंध साझेदार अनूप जैन कहते हैं कि इलेक्ट्रिक मोबिलिटी अगले दो या तीन साल में पांच या छह यूनिकॉर्न को जन्म देने वाला है। मार्केट इंटेलीजेंस प्लेटफॉर्म ट्रैकसन के आंकड़ों के मुताबिक ईवी स्टार्टअप कंपनियों ने वर्ष 2021 के बाद संयुक्त रूप से करीब 3.4 अरब डॉलर जुटाए हैं। इस साल अब तक इन कंपनियों ने 73.86 करोड़ डॉलर जुटाए हैं। यह रकम 24 सौदों में जुटाई गई थी, जिनमें से दो का मूल्य 10 करोड़ डॉलर से अधिक था। इन्होंने फंडिंग में मौजूदा नरमी के बीच कई अन्य क्षेत्रों से बेहतर प्रदर्शन किया था। कैलेंडर वर्ष 2022 में 122 सौदों में 1.89 अरब डॉलर का निवेश देखा गया, जो पिछले साल के 112 सौदों से जुटाए गए 77.11 करोड़ डॉलर से लगभग 145 प्रतिशत अधिक है।

तिरुपुर को वॉलमार्ट का सहारा

शाइन जैकब
चेन्नई, 4 जून

जून में बढ़ेगा कारोबार !

- वॉलमार्ट ने मई की शुरुआत में घोषणा की थी कि कंपनी वर्ष 2027 तक प्रत्येक वर्ष भारत से 10 अरब डॉलर की आपूर्ति का लक्ष्य पूरा करेगी
- वॉलमार्ट जो कुछ भी भारत से खरीदती है, उसमें करीब 50 प्रतिशत योगदान तिरुपुर का होता है
- मूल्य के लिहाज से निर्यात अधिक है, लेकिन मात्रा के लिहाज से यह अब भी पांच से 10 प्रतिशत कम है
- वॉलमार्ट, एचऐंडएम, टॉमी हिलफिगर और टारगेट जैसी वैश्विक कंपनियों से मिल रहे क्षेत्र को अग्रिम ऑर्डर

अप्रैल में 17 प्रतिशत की गिरावट के बाद देश से सिले-सिलाए कपड़ों के निर्यात में मई के दौरान सुधार के संकेत नजर आए हैं। तिरुपुर के निर्यातकों ने इस महीने के दौरान रुपये के लिहाज से वृद्धि का संकेत दिया, हालांकि वॉल्यूम को सामान्य होने में एक और महीना या अधिक समय लग सकता है।

वॉलमार्ट, एचऐंडएम हेन्स ऐंड मॉरिट्ज एबी (एचऐंडएम), टॉमी हिलफिगर और टारगेट देश की 'निटवियर राजधानी' को ऑर्डर देने वाली वैश्विक बड़ी कंपनियों में शामिल हैं।

तिरुपुर एक्सपोर्टर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष केएम सुब्रमण्यन ने कहा 'हालांकि निर्यात मूल्य अधिक है, लेकिन मात्रा अब भी पांच से 10 प्रतिशत कम है।' सूत्रों के मुताबिक जून तक बिक्री में उछाल आने के आसार हैं।

सुब्रमण्यन ने कहा कि मांग में गिरावट के बावजूद तिरुपुर में विनिर्माण क्षमता में सरकार की नीतियों के चलते कम से कम 20 प्रतिशत का इजाफा हुआ है। उन्होंने कहा कि मात्रा के लिहाज से यह पांच से 10 प्रतिशत कम है, जबकि रुपये के लिहाज से इसमें इजाफा हुआ है। हमें वॉलमार्ट, एचऐंडएम, टॉमी हिलफिगर और टारगेट से अग्रिम ऑर्डर मिल रहे हैं।

वर्ष 2022-23 में 63,239 करोड़ रुपये के कुल निटवेअर निर्यात में से 54 प्रतिशत से अधिक या 34,350 करोड़ रुपये तिरुपुर से ही हुआ है। यह क्षेत्र अब वॉलमार्ट की हालिया बड़ी घोषणा पर दांव लगा रहा है।अरकांसस स्थित मुख्यालय वाली खुदरा कंपनी के मुख्य कार्याधिकारी डग मैकमिलन ने मई की शुरुआत में घोषणा की थी कि उनकी कंपनी वर्ष 2027 तक प्रत्येक वर्ष भारत से 10 अरब डॉलर की आपूर्ति का लक्ष्य पूरा करेगी।

फेडरेशन ऑफ इंडियन एक्सपोर्ट ऑर्गनाइजेशन के अध्यक्ष ए शक्तिवेल ने कहा कि वॉलमार्ट ने अकेले भारत से ही 10 अरब डॉलर का सामान मंगाने को मंजूरी दी है। वह जो कुछ भी भारत से खरीदती है, उसका करीब 50 प्रतिशत तिरुपुर से होता है। जून के बाद से वृद्धि में 10 से 15 प्रतिशत तक की बढ़ोतरी होगी। उन्होंने कहा कि अमेरिकी मुद्रास्फीति में कमी और ईंधन के दामों में गिरावट की वजह से ऑर्डर प्रवाह में बदलाव देखा जा सकता है। उन्होंने कहा कि मुख्य रूप से ईंधन और गैस की कीमतों में वृद्धि से यूरोप की क्रय शक्ति पर असर पड़ रहा था।अप्रैल में भारत का सिले-सिलाए कपड़ों का निर्यात रुपये के लिहाज से 17 प्रतिशत घटकर 9,929 करोड़ रुपये रह गया था, जबकि पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि में यह 12,002 करोड़ रुपये था।

CFM
सीएफएम एसेट रिकंस्ट्रक्शन प्राईवेट लिमिटेड
पंजीकृत कार्यालयः प्रथम तल, वेकफील्ड हाउस, स्प्रोट रोड, बल्लार्ड एस्टेट, मुंबई–400038, भारत

मांग सूचना

हम, **सीएफएम एसेट रिकंस्ट्रक्शन प्राईवेट लिमिटेड (सीएफएम–एआरसी),** कारपोरेट कार्यालयः प्रथम तल, वेकफील्ड हाउस, स्प्रोट रोड, बल्लार्ड एस्टेट, मुंबई–400038, एतद्द्वार प्रत्याभूत लेनदार की क्षमता से कार्य करते हुए उपरोक्त अधिनियम की धारा 13(2) के तहत पुनः नोटिस देते हैं।
जबकि यहाँ उल्लिखित कर्जदारों/जमानतियों/बंधककर्ताओं ने **सीएफएम एसेट रिकंस्ट्रक्शन प्रा. लि. (सीएफएम–एआरसी)** से वित्तीय सहायता प्राप्त की थी। हम कहते हैं कि वित्तीय सहायता प्राप्त करने के बावजूद कर्जदारों/जमानतियों/बंधककर्ताओं ने नियत तारीखों के अनुसार ब्याज और मूलधन राशि के पुनर्भुगतान में विभिन्न चूकें की हैं। भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा जारी निदेशों/दिशा–निर्देशों के अनुपालन में खाते को अनर्जक आस्ति वर्गीकृत किया है। फलस्वरूप, **सीएफएम एसेट रिकंस्ट्रक्शन प्रा. लि. (सीएफएम–एआरसी)** के प्राधिकृत अधिकारी ने वित्तीय आस्तियों के प्रतिभूतिकरण एवं पुनर्निर्माण और प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम, 2002 के तहत और प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियमावली, 2002 के नियम 3 के साथ पठित धारा 13(12) के तहत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग कर वित्तीय आस्तियों के प्रतिभूतिकरण एवं पुनर्निर्माण और प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम, 2002 की धारा 13(2) के तहत अधोल्लिखित संबंधित तारीखों को मांग सूचनाएँ जारी की जिसमें कर्जदारों/सह–कर्जदारों/जमानतियों/बंधककर्ताओं से सूचनाओं में उल्लिखित राशि को भुगतान की तारीख तक सूचनाओं में उल्लिखित राशि पर अनुबंधित दर से भविष्य की ब्याज और प्रासंगिक व्ययों, लागत, प्रभारों आदि सहित भुगतान करने के लिए कहा।
हालांकि, नोटिस बिना सुपुर्द हुए वापस लौट आए और इसलिए एतद्द्वारा इस सार्वजनिक सूचना के माध्यम से सूचित की जाती हैं।

कर्जदार/निदेशक/बंधककर्ता/ जमानती के नाम व पते/ऋण खाता सं.	मांग सूचना की तारीख / एनपीए की तारीख	मांग सूचना के अनुसार बकाया राशि	बंधक संपत्ति/प्रत्याभूत परिसंपत्तियों का विवरण
1. श्री जगबीर (कर्जदार) पुत्र भाना राम, 2. श्रीमती मुकेश (सह–कर्जदार/बंधककर्ता) पत्नी जगबीर **सभी का पताः** एच.नं. 1051, दयाल सिंह कालोनी, हंसी, जिला हिसार–125033 ऋण खाता सं. (LSLAPHIS0002597)	08.05.2023 / 04.07.2021	रु.20,12,462/– (रुपये बीस लाख बारह हजार चार सौ बासठ मात्र) दिनांक 20 अप्रैल, 2023 को	श्रीमती मुकेश पत्नी जगबीर के नाम में बिक्री विलेख नं. 5240 दिनांकित 10.3.2011 द्वारा दयाल सिंह कालोनी, हंसी, तहसील हिसार जिला हिसार स्थित कुल भूमि माप 240 वर्ग गज, इस पर खड़ी समस्त स्ट्रक्चर, निर्मित या निर्मित की जानी वाली, संपत्ति अर्थात खसरा नं. 368/9/2 (3–0) का भाग, माप 240 वर्ग गज, के सभी भाग व खंड। मूल्यांकन के अनुसार सीमाएँः– पूर्वः 42'–00" रोड, पश्चिमः 35'–00' पी/ओ जिले सिंह, उत्तरः 61'–00' पी/ओ महेन्द्र, दक्षिणः 59'–08' गली
1. श्रीमती राजबाला (कर्जदार/बंधककर्ता) पत्नी सतबीर 2. श्री सतबीर (सह–कर्जदार) पुत्र राजकुमार **सभी का पताः** हनुमान नगर, वार्ड नं. 19, नरवना, जिला जींद–126116 ऋण खाता सं. (LSLAPKTH0001192)	08.05.2023 / 03.09.2021	रु.17,56,500/– (रुपये सत्रह लाख छप्पन हजार पाँच सौ मात्र) दिनांक 19 अप्रैल, 2023 को	नरवना जिला जींद स्थित एक मकान भूमि माप 5.66 मारलास पर निर्मित, खेवत नं. 1138/1794 के समस्त भाग व खंड, पूर्ण विवरण और वर्णन पंजीकृत हस्तांतरण विलेख 3536/1 दिनांकित 15.09.2017 में।
1. श्री राकेश कुमार (कर्जदार) पुत्र प्रेम चंद 2. श्रीमती अंजू रानी (सह–कर्जदार) पत्नी राकेश कुमार 3. श्रीमती दर्शना देवी (सह–कर्जदार/बंधककर्ता) पत्नी प्रेम चंद **सभी का पताः** वार्ड नं. 16 नाहर कालोनी, रैता तहसील रैता जिला फतेहाबाद–125051 ऋण खाता सं. (LSSECSIR0001511)	08.05.2023 / 03.11.2021	रु.9,77,659.00 (रुपये नौ लाख सतहत्तर हजार छह सौ उनसठ मात्र) दिनांक 24 अप्रैल, 2023 को	रतिया की राजस्व संपदा में, अब नाहर कालोनी के नाम से ज्ञात, रतिया स्थित कुल भूमि माप 177.29 वर्ग गज मकान कर 569/16, इस पर खड़ी समस्त स्ट्रक्चर, निर्मित या निर्मित की जानी वाली, माप 177.29 वर्ग गज अर्थात 0 कनाल 6 मारला जो 18 कनाल 10 मारला का 6/370 शेयर जिसका खसरा नं. 229/8(9–7), 9/1 (1–16), 13/2(6–17), 13/1(0–10), के सभी भाग व खंड। सीमाएँः– पूर्वः सार्वजनिक गली माप 28'9', उत्तरः अजैब का मकान माप 55'6', दक्षिणः पवन का मकान माप 55'6'
1. श्री सुरेन्द्र कुमार (कर्जदार) पुत्र चिरंजी लाल 2. श्री सुनील कुमार (सह–कर्जदार) पुत्र चिरंजी लाल 3. श्री चिरंजी लाल 1. (सह–कर्जदार/बंधककर्ता) पुत्र श्यौ लाल 4. श्रीमती कमला देवी (सह–कर्जदार) पत्नी चिरंजी लाल, **सभी का पताः** एच.नं. 422, गाँव बहबालीपुर, जिला हिसार–125052 ऋण खाता सं. (LSSECHIS0001857)	08.05.2023 / 03.11.2021	रु.13,15,436/– (रुपये तेरह लाख पंद्रह हजार चार सौ छत्तीस मात्र) दिनांक 20 अप्रैल, 2023 को	कार्यालय उप पंजीयक हिसार में विधिवत् पंजीकृत बिक्री विलेख नं. 2401 दिनांकित 14.08.1987 द्वारा बहाबलपुर, तहसील और जिला हिसार स्थित संपत्ति अर्थात खसरा नं. 57/19/6 का भाग, खेवत नं. 199, खतौनी नं. 335 माप 1के– 0एम के समस्त भाग व खंड।
1. श्री नरेश कुमार (कर्जदार/बंधककर्ता) पुत्र हुकुम चंद 2. श्रीमती नन्ही देवी (सह–कर्जदार) पत्नी हुकमा 3. श्री हुकमा (सह–कर्जदार) पुत्र निहालू **सभी का पताः** वीपीओ उझाना, कुल्तारन, कैथल–136027 ऋण खाता सं. (LSLAPKTH0001884)	08.05.2023 / 03.11.2021	रु.9,26,002/– (रुपये नौ लाख छब्बीस हजार दो मात्र) दिनांक 19 अप्रैल, 2023 को	गाँव उझाना तहसील व जिला कैथल स्थित मकान भूमि माप 12 मारला पर निर्मित जो जमीन माप 4 कनाल 1 मारला में से 12/81 शेयर है और खेवत नं. 96 मिन खसरा नं. 199(1–8), 201(2013) के सभी भाग व खंड। पूर्ण विवरण और वर्णन कार्यालय जेएसआर कैथल में पंजीकृत रिलीज विलेख नं. 2013/1 दिनांकित 07.02.2018 में।
1. श्री मोहन सिंह (कर्जदार) पुत्र तेजा सिंह 2. श्रीमती हरजिंदर कौर (सह–कर्जदार/बंधककर्ता) पत्नी मोहन सिंह 3. श्रीमती सुरजीत कौर (सह–कर्जदार) पत्नी तेजा सिंह **सभी का पताः** एच.नं. 1824 वार्ड नं. 7 निकट पॉवर हाऊस इलेनाबाद जिला सिरसा ऋण खाता सं. (LSLAPSIR0002044)	08.05.2023 / 03.10.2021	रु.9,70,946/– (रुपये नौ लाख सत्तर हजार नौ सौ छियालीस मात्र) दिनांक 24 अप्रैल, 2023 को	हरजिंदर कौर पत्नी मोहन सिंह के नाम में हस्तांतरण विलेख नं. 2788 दिनांकित 29.10.2015 और म्यूटेशन नं. 25314 द्वारा वार्ड नं. 4 निकट बिजलीघर, इलेनाबाद स्थित मकान कर नं. 4/320 माप 5 मारला 3 सरसाई अर्थात 161.33 वर्ग गज जो 104 कनाल 17 मारला का 16/6291 शेयर वर्ष 2012–2013 की जमाबंदी द्वारा खेवत नं. 3502 मिन, खतौनी 4583 से 4590 मिन के सभी भाग व खंड।
1. श्री दलबीर सिंह (कर्जदार) पुत्र स्वर्ण सिंह 2. श्रीमती कुलवंत कौर (सह–कर्जदार/बंधककर्ता) पत्नी दलबीर सिंह **सभी का पताः** डेरा भाग सिंह चीका, कैथल–136034 ऋण खाता सं. (LSLAPKTH0002282)	08.05.2023 / 03.11.2021	रु.12,17,508.00 (रुपये बारह लाख सत्रह हजार पाँच सौ आठ मात्र) दिनांक 20 अप्रैल, 2023 को	पंजीकृत संपत्ति हस्तांतरण विलेख नं. 296/1 दिनांकित 11.05.2017 द्वारा गाँव खुशाल माजरा, तहसील गुहला और जिला कैथल स्थित संपत्ति एरिया/प्लॉट माप 0के–10 एम जो भूमि माप 103के – 13 एम का 10/2073 शेयर जिसका खेवत नं. 316 किट्टा – 16 वर्ष 2011–2012 की जमाबंदी द्वारा, के सभी भाग व खंड और सीमाएँः– पूर्व– गली, पश्चिम– हस्तांतरणकर्ता की संपत्ति, उत्तर– हस्तांतरणकर्ता की संपत्ति, दक्षिण– गली

उपरोक्त परिस्थितियों में एतद्द्वारा पुनः यहाँ ऊपर उल्लिखित कर्जदारों/जमानती/बंधककर्ता/संपत्ति धारकों को उपरोक्त राशि पर अनुबंधित दरों से भुगतान की तारीख तक आगे की ब्याज और वहन किए गए प्रासंगिक व्ययों, लागतों, प्रभारों आदि सहित नोटिस में उल्लिखित उपर्युक्त राशि को इस नोटिस प्रकाशन की तारीख से 60 दिनों के अंदर **सीएफएम–एआरसी** को भुगतान करने के लिए नोटिस दिया जाता है। यदि कर्जदार/जमानती/बंधककर्ता उपरोक्तानुसार **सीएफएम–एआरसी** को भुगतान करने में असफल रहते हैं तो अधिनियम की धारा 13(4) और इसके तहत लागू नियमों के तहत पूरी तरह से कर्जदारों/जमानतियों/बंधककर्ताओं के हर्जे–खर्चे और जोखिम पर उपरोक्त प्रत्याभूत परिसंपत्तियों के विरुद्ध **सीएफएम–एआरसी** कार्यवाही करेगा। कर्जदार/जमानती/बंधककर्ता सरफासी अधिनियम, 2002 की धारा 13(13) के तहत **सीएफएम–एआरसी** की पूर्व लिखित सहमति के बिना उपरोक्त परिसंपत्तियों का बिक्री, पट्टे या अन्य किसी तरीके से हस्तांतरण करने हेतु निषिद्ध होंगे।

स्थानः हरियाणा
दिनांकः 02.06.2023

(प्राधिकृत अधिकारी)
हिते सीएफएम एसेट रिकंस्ट्रक्शन प्रा. लि.
(सीएफएम–एआरसी ट्रस्ट–91 के ट्रस्टी की क्षमता से कार्यरत)

यूको बैंक UCO BANK
(भारत सरकार का उपक्रम)
प्रधान कार्यालय-I, जोखिम प्रबंधन विभाग,
10, बीटीएम सरणी कोलकाता-700 001

निविदा हेतु आमंत्रण

ऋण जोखिम प्रबंधन पर व्यवसायिक जानकारी प्राप्त करने के लिए सेवा प्रदाता के चयन हेतु प्रस्ताव हेतु अनुरोध (आरपीएफ)।
विवरण के लिए कृपया बैंक की वेबसाइट **https://www.ucobank.com** देखें।

(उप महाप्रबंधक)
दिनांकः 05.06.2023 जोखिम प्रबंधन विभाग

सम्मान आपके विश्वास का | Honours Your Trust

E-AUCTION –HIKE LEATHER PRIVATE LIMITED (IN LIQUIDATION)
Sale of Land & Building, Entire Plant & Machinery and other Equipment under the Insolvency and Bankruptcy Code, 2016
CIN : U19200PB2007PTC031322

Notice is hereby given to the public in general under the insolvency and Bankruptcy |Code, 2016 and Regulations there under, that the Process for Sale of Plants & Machinery and Land & Building of Hike Leather Private Limited (in liquidation) (Corporate Debtor) will be sold by E-auction through the service provider Right2Vote Infotech Private Limited via https://right2vote.in/eauction/

Assets / Locations	Reserve Price (INR)	Earnest Money Deposit (INR)
Lot1 Sale of the Company as a Going Concern along with Entire Plant & Machinery, and other equipment lying at Mahal & Mauja Nangalkalan, Tahliwal, Tehsil Haroli, District UNA, Himachal Pradesh, and at the premises at 14, Leather Complex, Kapurthala Road, Jalandhar City **AND** Entire Land & Building and Structures thereof owned and falling in the Liquidation Estate of Hike Leather Private Limited lying at Mahal & Mauja Nangalkalan, Tahliwal, Tehsil Haroli, District UNA, Himachal Pradesh.	Rs. 290.00 Lacs (Rupees Two Crore Ninety Lacs)	Rs. 29.00 Lacs (Rupees Twenty Nine Lacs)
Lot2 Entire Land & Building and Structures thereof owned and falling in the Liquidation Estate of Hike Leather Private Limited lying at Mahal & Mauja Nangalkalan, Tahliwal, Tehsil Haroli, District UNA, Himachal Pradesh.	Rs.275.00 Lacs (Rupees Two Crore Seventy Five Lacs)	Rs.27.50 Lacs (Rupees Twenty Seven Lacs Fifty Thousand)
Lot3 Entire Plant & Machinery, and other equipment lying at Mahal&MaujaNangalkalan, Tahliwal, Tehsil Haroli, District UNA, Himachal Pradesh, and at the premises at 14, Leather Complex, Kapurthala Road, Jalandhar City	Rs.15.00 Lacs (Rupees Fifteen Lacs)	Rs. 1.50 Lacs (Rupees One Lac Fifty Thousand)

The priority shall be given to bidder of lot 1 (over other lots), Lot 2 (over Lot 3). Further Lot 3 will be sold separately even bids are not received for Lot 2.

Date and Time of Auction	30th June, 2023 from 12:00 pm to 02:00 pm
Last date for Submission of EOI & EMD	05th June, 2023 to 26th June, 2023 before 5:00 p.m.
Inspection Date & Time	On or before 24th June, 2023 from 11 a.m. to 05.00 p.m.

Interested applicants may refer to the Complete E-Auction Process document containing details terms and conditions of the E-Auction available on https://right2vote.in/eauction/. The liquidator has the right to cancel or extend or modify etc. any of the terms of the E-auction at any time. The Liquidator has the right to reject any bid without assigning any reasons. For any query regarding E-Auction, Contact Mr Jatin Mehra at +91-8146013366 or E-mail: jatinmehraassociates@gmail.com

Date: 05/06/2023
Place: Amritsar

Jatin Mehra
Liquidator-Hike Leather Private Limited
Reg No. IBBI/IPA-001/IP-P-02010/2020-21/13103
Communication Address: E-455, Ranjit Avenue, Amritsar-143001
Email ID: jatinmehraassociates@gmail.com
Contact No: 81460-13366

चंडीगढ़ संस्करण : बिजनेस स्टैंडर्ड प्राइवेट लिमिटेड के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक नंदन सिंह रावत द्वारा इम्प्रेशंस प्रिंटिंग ऐंड पैकेजिंग लिमिटेड, प्लॉट नं.-22 व 49 ग्राउंड फ्लोर, फेज-2 इंडस्ट्रियल एरिया, पंचकूला-134115, हरियाणा से मुद्रित एवं एससीओ 861, एनएसी, मनी माजरा, चंडीगढ़-160101 से प्रकाशित
संपादक : कैलाश नौटियाल आरएनआई नं. MAHHIN/2008/24325 पाठक संपादक को lettershindi@bsmail.in पर संदेश भेज सकते हैं। टेलीफोन - 033-22101314/1022/1600 फैक्स - 033-22101599
सबस्क्रिप्शन और सर्कुलेशन के लिए संपर्क करें... सुश्री मानसी सिंह हेड, कस्टमर रिलेशन्स बिज़नेस स्टैंडर्ड लिमिटेड, तीसरी और चौथी मंजिल, बिल्डिंग एच, पैरागन सेंटर, सेंचुरी मिल्स के सामने, पी बी मार्ग, वर्ली, मुंबई 400 013 ईमेल.. subs_bs@bsmail.in या 57575 पर एसएमएस करें REACHBS कोई हवाई अधिभार नहीं